



क्रीड़ा/ खेलकूद : अवकाश क्षण , oI eukj ftu

Dheeraj Kumar

Assistant Professor – Physical Education, Km Mayavati Government Girls P. G. College
Badalpur, Gautam BuddhNagar; U.P. e-mail: kalinadheeraj@gmail.com

Abstract

। h[uk dkbz u; k dk; l ugh g[वर्षते कि नयी क्रिया परिष्ठैr g[vlf okn dh fØ; kvk[es i ꝓ% i ꝓV glrh g[, d जददेश्य की प्राप्ति के लिए की गयी प्रतिक्रियाओं में जो सफल प्रतिक्रियाएं होती हैं उन्हें तो व्यक्ति ग्रहण कर लेता है; vlf vI Qy ifrfØ; kvk[dks R; kx nrk g[b/ i ddkj Ø; fDr u, &u, Ø; ogkj / h[k yrk g[Ø; ogkj dks i fjr djus okyh ifØ; kvk[es ok°; i ꝓVdj.k egroi ꝓ/ kku gkrk g[vlf Lokkkfod ij. k egroi ꝓ/ dkkj dA ; g Hkh mYqfkuh; g[fd ok°; ijLdkj Ø; oLFkk dk vf/kd / e; rd i Hkk jgrk g[eukokfudk dk dfku g[fd ft/ i ddkj ijLdkj प्राप्त होने पर खुशी होती है, और उसके लिए खिलाड़ी प्रयत्नशील रहते हैं, ठीक उसी प्रकार खेल में कुशलता प्राप्ति तथा उसके मूल्यों को ग्रहण करने हेतु प्रेरणा को विकसित करते हैं। इस सन्दर्भ में सीखने वालों के लिए शिक्षक की पूर्ण mi/kns rk g[rh g[vlf og / Hkh i {k[/ s / yku jgrk g[

परिभाषिक शब्द: dMk[eukfoKku] क्रीड़ा परिवेश/ eukfou[n] / g[kkfxrkA



Scholarly Research Journal's is licensed Based on a work at www.srjis.com

rF; foopuk , o fu"dkh
ØhMk(or[eku I kekftd I jpu k e[foftkuu yksk[ds fy; s vyx&vyx vFkcksk fØ; k dk fuek[k djrh g[ijUrq bu vFkcksk[e[, d I kekftL; dh vu[fr Hkh dh tk I drh g[[ksus ds ऐतिहासिक उद्भव, विकास और संगठनात्मक व्यावसायिक दशाओं ने or[eku ØhMk dks , d ofpkfj d | "ठभूमि प्रदान की है। यह मात्र खेल का होना ही नहीं है अपितु इसमें अवकाश के क्षणों का मनोरंजक mi ; kx Hkh fd; k जाता है। वस्तुतः क्रीड़ा एक विशेष [ksy g[vlf foftkuu ØhMk[vka dh I a Drrk वर्तमान औद्योगिक समाज की आवश्यकता बन चुकी है। क्रीड़ा में खेल के कई तत्व भी निहित होते हैं। vftku;] [ksy vlf ØhMk(eukjftu ds : i e[ifrlfktapit अवकाश क्षणों को वे विशिष्टVrk; i g[ftudk mi ; kx of fd; k I kefjd xpk ds : i e[fd; k tkrk g[ypftrk ॥1955॥ us vftku; ds क्रियाकलापों एवं खेल की विशिष्टता को स्पष्टV djrs g[dgk g[fd ; g og fØ; k g[tks fdI h Hkkfrd ykhh I s tMk[ugh g[rhA bl dh vi uh I e; , oLFkku dh I hek; i g[ftI ds fu; e vlf Øe सुनिश्चित होते हैं। इसमें जुड़े हुए लोग सामूहिक मानसिकता अथवा सामाजिक समूह के निर्माण में I fØ; ; kxnu nrs g[nl jh vlf dsyks I ॥1961॥ us vftku; dh mi ; Dr ofpkfj dh dk I ekykpukRed foopu djrs g[; g Li "V fd; k g[fd vftku; og fØ; k g[tks Lorh] vyx] निश्चित, अनुत्पादक, नियमों द्वारा शासित और विश्वास योग्य होती है। अभिनय की उपर्युक्त परिभा गायेः [ksyka I s / kमान्य रूप में और क्रीड़ा से विशेषः : i e[Ecflu/kr g[

अभिनय एक स्वैच्छिक क्रिया है। व्यक्ति अपनी इच्छानुसार अवकाश के {k. kka e8 bl s dj rk gA dN खेलों में अभिनय की यह विशेषतायें पायी जाती हैं परन्तु सभी खेलों में ऐसा हो; यह आवश्यक नहीं है। सर्वश्री लुइजिंगा और कैलोयस का अभिनय की पृथकतावादी विशि टता से तात्पर्य यह रहा है fd vflku; स्थान विशेष और समय विशेष" k e8 l hfer gksrk gA vflku; dk xqk(ØhMk ds fy; s महत्वपूर्ण है क्योंकि अधिकांश क्रीड़ायें सुनिश्चित स्थान एवं परिवेश में सम्पन्न की जाती हैं और उनका एक निश्चित समय होता है। अभिनय की अनिश्चितता इस तथ्य की ओर संकेत देती है कि यह अपने dky vkj i fj. kke ds संदर्भ में पहले से सुनिश्चित नहीं होती। ठीक इसी तरह से सभी खेलों की मुख्य विशि टता उनका अनिश्चित परिणाम होती है और यही कारण है कि दर्शक उत्तेजित रहते हैं। vflku; Lo; a e8 fdl h u; s Hkkfrd i nkfk dk fuelk ugha dj rk(tcfld dN [ksyka vkj ØhMk vksa e8 /ku dk vknku i nku fd; k tkrk gA ijUrq [ksy oLrr% vi u h i dfr e8 vuj; kfxrkoknhi gksrk gA³ I Hkh [ksy(fu; ek8 l s vkc) gksrs g8 pkgs vks pkfjd gks; k vuk pkfjdA ; g l pko fn; k tkrk g8 fd ØhMk dks l kekU; r% [ksyka l s vyx fd; k tk l drk g8 D; kfd os foftklu i dkj ds fu; ek8 vks mi fu; ek8 l s caks gksrs gA⁴

ØhMk , d l LFkkfir [ksy g8 , d l kekftd l LFkk(vkj flFkfr Hkh gA i Lrr v/; k; ds vJrxk क्रीड़ा उपभोग की विभिन्न दशाओं, प्रभावित करने वाले कारणों, प्रशंसकों और साथ ही साथ अवकाश के ekud मूल्यों और मनोरंजन की विशिष्टता ds l nHkZ e8 l dfyr i LFfed rF; k dk foopu fd; k x; k gA

ØhMk mi ; kx ds l nHkZ e8 vi R; {k mi Hkkx dh i dfrr vf/kd i k; h tkrh g8 i jUrq bl l nHkZ e8 okLrfod l ed mi yC/k ugha gA ØhMk ds l nHkZ e8 Vsyhfotu] jfM; k , oa i <us vks ckphr djus okyka dh l q; k dk fu/र्ण सामान्यतः सांख्यिकीय विश्लेषक ds nVdksk l s djuk nldj gksrk gA e8Qj l u 1/1992⁵ us vi R; {k ØhMk mi Hkkx ds mi ; Dr pkjka i dkjka ds vks/kj i j dukMk ds ØhMk उपभोक्ताओं का विश्लेषक fd; k gA ml dk dguk Fkk fd vi R; {k mi Hkkx ds i dkj(fyk ds vuq kj vyx&vyx gksrs gA l kekU; r% Vsyhfotu vks jfM; ks ds ek/; e l s efgyk vks iq "k nkuk ka vi R; {k ØhMk mi Hkkx djrs gA ykth vks g8 kym 1/1992⁶ dk Hkh dFku g8 fd i R; {k dh vi sikk vi R; {k ØhMk उपभोग अधिक पाया जाता है। टेलीविजन के माध्यम से अधिकांश लोग क्रीड़ा का उपयोग eukjatu }jkj djrs gA Vsyhfotu ds vfrfjDr foशष्ट खेल; पत्रिकाओं और खेल शोध प्रकाशन; ØhMk mi Hkkx ds vol jks e8 of) djus e8 l g; kx jgs gA n8ud] l klrkgd] i kf{kd] ekfI d [ksy पत्रिकाओं की अपेक्षा विशेष निकृत बहुआयामी खेल पत्रिकाएं आधुनिक समाज में बहुलता (बहुतायत) से mi yC/k gA⁷

mi HkkDrk([ksy dk i R; {k ; k vi R; {k mi Hkkx vi u h l kekftd&vlfkfd i fLFkfr ds vuq kj djrk gA ifro" k f[ksyM nyka vks [ksyka dh c<fr gpl l q; k ds QyLo: i yxHkkx gj l e; dkbl

u dkbz [ksy gkrk jgrk gA mi HkkDrk [ksy dk mi Hkkx vi uh vlfkfd fLFkfr ds vuq kj djrk gA rkRi ; l; g fd mi Hkkx dk vol j] mi HkkDrk dh vlfkfd fLFkfr I s i Hkkfor gkrk gA i R; sd [ksy dks ns[kus okyka es i q "k , oa efgykvka dh I a; k fHku&fHku gks I drh gA fuYI u 1991½ ds vuq kj विशिष्ट [ksy dk i q "kka dh vi qkk efgyk; vf/kd ns[krh gA

[ksy mi Hkkx(odkfgd i fLFkfr I s Hkh i Hkkfor gkrk gA tks ykx vdsys gks gS os foofgrk dh vi qkk [ksy mi Hkkx i R; {k : i es vf/kd djrs gA Bhd ml h i dkj foofgr(ØhMk ¼[ksy½ dk vi R; {k mi Hkkx vf/kd djrs gA D; kfd ; g xg dfthr fØ; k dyki gkrk gA [ksy mi Hkkx dks i Hkkfor djus oky , d vll; dkj.k vk; q Hkh gA fuyI u 1971½ dk dFku gS fd 35 o"kl I s de vk; q ds i q "k vf/kd [ksy ns[krs gA 35 I s 49 o"kl ds vk; q I eq okys ykx vi us jkst xkj , oa पारिवारिक उत्तरदायित्वों के कारण टेलीविजन पर अपेक्षाकृत कम खेल देखते हैं। शिक्षा और व्यवसाय Hkh [ksy mi Hkkx ds rjhdk dks i Hkkfor djrs gA dI; ku 1966½¹⁰ us vi us v/; ; u ds vUrxt i k; k fd fuEu I kekftd&vkffkd Lrj okys ykx(vll; ykx dh vi qkk de [ksy ns[krs gA ijUrqvi R; {k [ksy mi Hkkx vkj I kekftd vkffkd i "BHKfe es dkbz I EcU/k ugha i k; k x; k gA vfre dkjd(tks fd fo | ky; ds Nk= dh i R; {k mi fLFkfr को प्रभावित करता है। वह है खेल परिवेश ; k LVSM; e gA bl i dkj ; g Li "V gkrk gS fd mi HkkDrk dh I kekftd vkffkd i fLFkfr vFkok ml dh i "BHKfe ds dkjd ml ds mi Hkkx dh i dfr vkj rkj rjhdk dks i Hkkfor djrs gA fQj Hkh mi ; Dr dkjd tI s vk; j fyk vkj I kekftd&vkffkd i "BHKfe vkn ØhMk I gHkkfxrk dh vi qkk ØhMk mi Hkkx es de i Hkkodkj h gA

I kekU; r% क्रीड़ा प्रशंसकों की दो परिभाषा; नh x; h gA ykx 1968½¹¹ ने प्रशंसक को विश्लेषिर djrs gq dgk gS fd ; g og 0; fDr gS tks fdI h ØhMk es mPp oS fDrd yxko j [krk gS vkj ml ds i fr mPp oS fDrd I eIzk dh Hkkouk j [krk gA fLujM 1970%¹² का कथन है कि वह व्यक्ति प्रशंसक है tks , h स्थिति में, जबकि वह किसी विशेष ØhMk i ?kVuk dks okLrfod : i I s u ns[krs gq] ml ds I nHkZ es u i <fs gq vkj u I qurs gq Hkh ml ds ckjs es I kprk jgrk gq ckr djrk jgrk gks vkj ml dh vkj mUeqk gA

fLi ujkM 1970½¹³ ने तमाशबीन क्रीड़ा के छः प्रमुख प्रकार्यों का उल्लेख किया है जो अब तक के विश्लेषणों में सर्वोत्तम हैं—

1½ ØhMk i frfuf/k Li /kZ dh ; = jpuq ds : i es dk; l djrh gS

2½ ØhMk(uk; dks , oa LFkuh; I eqk; ds I kfk , d: irk LFkfi r dj ; g vlfRed vkn inku djrh gS

3½ किसी क्रीड़ा विशेष dh j . khuhfr vkj bl ds bfrgkI ds I nHkZ es Kku I kfgr dj ; g 0; fDr dks bl ; k; cukrh gS ftI I s fd og mi I dfr ds i kf.kd dFkkvka es I gHkkxh cukrh gS

१४॥ ; g ॥; fDr; का dks bl ; क्षः cukrh g\$ fd og I edks dk , d I eग cuk; s वक्ष ml ds ek/; e
I s अहम् एवि उह वफ्कः fp cuk; s j [क्ष]

१५॥ f[क्यक्म् ; क ny ds I नह्क्ल ए ; fDr; प्र okn&fookn grq i fjर djrh g\$
१६॥ ny ds I pkyu ए ; fDr; क्षत्त प्रशासन का अनुभव करना और उचित रणनीति अपनाना।
यक्ष १९७०^{१४} us } ; d वक्त्वां द्वारा वक्त्वा वक्त्वा ij ; g Li "V fd; क g\$ fd अहम् एव pkj i दक्ष ds
नक्ष gक्ष हैं। प्रत्येक, किसी न किसी विशिष्ट वर्णन के अनुभव करना और उचित रणनीति अपनाना।

१७॥ f[क्यक्म् वक्त्वा का ml ds ny dks up लक्ष्य i ग्रप्तक्ष ओक्ष्य फु. क्ष का ds i फ्रज्जक्ष ए ॥ ०; Dr fd; क x; क
मर्रस्त उक्त्वा Red i फ्रज्जक्ष]

१८॥ दर्शकों के हितों को नुकसान पहुंचाने वाली क्रियाओं के प्रतिरोध में व्यक्त की गयी प्रतिक्रिया,
१९॥ तग्का हक्कम्+दक्ष ओ fDrd लर्ज ij I फ्रेफ्यर ग्रक्ष द्वा vol j i क्लर उग्हा ग्रक्ष]

२०॥ जहां क्रीड़ा के बाह्य लोगों से उद्भुत दो विरोधी दर्शक दलों में तनाव बना रहता है।

Dyueku १९६०^{१५} us ग्रब्लद्वा ड्लद्वा क्य द्वा हक्कम्+दक्ष ०; ओक्ष का ds i हक्कर्द्वा द्वा द्वा द्वा
आनुभविक विश्लेषण किया है। उन्होंने यह पाया कि प्रशिक्षक और प्रशासन खेलों में भीड़ व्यवहार के
लिये उत्तरदायी होते हैं। विशेषतः ऐसे प्रतिमान, जो उच्चाकांक्षा युक्त होते हैं, निम्न स्तर की क्रीड़ा
भावना को व्यक्त करते हैं, यह क्रियाओं की गतिशीलता पर बल देता है और उसकी क्रियायें अप्रत्याशित
ग्रक्ष g

२१॥ ओज्जी च॒ लक्ष्य वक्ष तक्ष १९७१^{१६} us द्वाक्ष द्वा न्क=का ds व॑/ ; u ds वक्त्वा ij ; g एर
प्रतिस्थापित किया है कि खेल के सहभागियों और क्रीड़ात्मक प्रघटनाओं में उपस्थित दर्शकों के मध्य
I दक्ष क्लर्द्वा I एक्ल ग्रक्ष ग्र वक्त्वा उओ; ओक्ष [क्ष्य i फे; का ds फ्य; s व॒र्फोल्क्यह; अहम् वक्त्वा ए ; ग्हक्कर्फर्क
ds ओक्ष i फ्य. क्ले क्र्यक्ष; s g

२२॥ fo | क्य; ds वक्त्वा क्ले उक्ष ds व॒/ ; i {क्ष का ds I क्ले न<+। एह्डज. क्ले}

२३॥ खिलाड़ियों से स्थापित समीकरण के माध्यम से, उच्च मूल्य एवं व्यवहार की प्राप्ति की आशा,

२४॥ fo | क्य; ds व॒र्ज वक्ष उक्ष लेक्फ॒ द्वा ०; ओक्ष का ए फो?क्वु द्वा देह]

२५॥ fo | क्य; ए अहम् वक्त्वा ए ; ओर्क्ले इक्ले रफ्क्ले f[क्यक्म् का द्वा I ग्हक्कर्फर्क ij I दक्ष क्लर्द्वा i हक्को A
अग्रांकित तालिकाएं सभी 300 न्यादर्शितों से प्राप्त प्राथमिक तथ्यों तथा उनके विश्लेषण व
रर्ली एक्ल फु"द"र्गों पर संक्षिप्त प्रकाश डालती है। निम्न तालिका इस तथ्य पर प्रकाश डालती है कि
अहम् mi ; क्ष(i र्ल; क्ष विर्ल; क्ष फ्ल i दक्ष I s वक्त्वा क्ष ग्रक्ष g

rkfydk ua ११% ^ØhMk dk mi ; kx fdI i dkj vf/kd gkrk gS i R; {k vFkok vi R; {k* ds I nHkZ e s f[kykm mRrjnkrkvks ds fopkj

Øekd	mi ; kx dk i dkj	I gerka dh I a; k	प्रतिशत
1	i R; {k i dkj I s	135	45-00
2	vi R; {k i dkj I s	165	55-00
	dly ; kx	300	100-00

i Ltr rklिका के प्राथमिक तथ्यों के विश्लेषण से स्पष्ट gkrk gS fd dly 300 f[kykm mRrjnkrkvks में से 165(55 प्रतिशत) उत्तरदाताओं us ; g Lohdkj kfDr; ka dh gS fd ØhMk dk mi ; kx@mi Hkx vi R; {k i dkj I s vf/kd gkrk gS tcfid ØhMk dk mi Hkx i R; {k i dkj I s vf/kd gkrk gS , s 135(45 प्रतिशत) उत्तरदाता ही पाए ग, gA bu i Ffed rF; k I s Li "V gkrk gS fd ØhMk dk mi Hkx vi R; {k i dkj I s vf/kd gkrk gS ftI ds i e[k I k/ku ५ek/; e ५ jfM; k] Vsyhfotu] I ekpj&i =] if=dk, k i <us rFkk ckrphr djus okys gkrk gS vkg i R; {k mi Hkx dk i R; {k ek/; e क्रीड़ा व खेलों के “दर्शक” होते हैं। वर्तमान युग में टेलीविजन के माध्यम से अधिकांश लोग ØhMk@ [kydkns dk mi ; kx djrs gA ; g iNs tkus ij fd Vsyhfotu ds vfrfjDr] dkus&dkus I s I k/ku@L=k [ky mi Hkx ds vol jk e of) djrs gA I o[k.k dky e s I Hk 300 I puknkrkvks }kj k nh x; h tkudkjh ij fuEu rkfydk ua (2) संक्षिप्त प्रकाश डालती है—

rkfydk ua १२% Vsyhfotu ds vfrfjDr [ky mi Hkx ds vol jk e of)
djus ds L=k@I k/ku(f[kykm mRrjnkrkvks ds vu d kj

Øekd	vol jk e of) djus okys L=k@I k/ku	I a; k	प्रतिशत
1	[ky i f=dk, a ५ k l rkfd] i kf{kd] ekfI d%	195	65-00
2	खेल गोध प्रकाशन	42	14-00
3	विशेषीकृत खेल पत्रिकाएं	63	21-00
	dly ; kx	300	100-00

i Ltr तालिका के आंकड़ों के विश्लेषण से स्पष्ट gS fd I of{kr dly 300 f[kykm उत्तरदाताओं में से 195(65 प्रतिशत) उत्तरदाताओं ने यह स्वीकारोक्ति की है कि सापर्क्फग्ड] i kf{kd rFkk ekfI d [ky i f=dk, f ØhMk mi Hkx ds vol jk e of) djus ds L=k gS 63/21 प्रतिशत) उत्तरदाताओं ने विशेष्मद्दर ५cgjk; keh ५ [ky i f=dkvks dks vkg 42/14 प्रतिशत) उत्तरदाताओं ने खेल शोध प्रकाशन को प्रमुख स्त्रोत (माध्यम) बताया है। mRrjnkrkvks us ; g Hk crk; k fd vkl/fud I ekt

में विशे निकृत/बहुआयामी खेल पत्रिकाएं आसानी से सुलभ भी हो जाती हैं। इसलिए ये खेल पत्रिकाएं $\emptyset hMk mi Hkkx ds vol jk e of) djus e l g; kxh gA$

$\emptyset hMk@ [ky i k; % nks i dkj 1/1)$ नियमित मौसमी खेल (2) विशेष $[ky(ds gks gA | Hkh 300 f[kykMh mRrjnkrkvka l s ; g Hkh tkudkjh gkfl y dh x; h gS fd&bu nkuka e l s fd l i dkj ds [kyka e mi fLFkr gkus okyka dh l a; k vf/kd gS* l o[k.k l s i klr i kfed rF; k i j fuEu rkfydk l f[klr$ प्रकाश डालती है—

rkfydk u (3) : 'किस प्रकार के खेलों में दर्शकों की संख्या अधिक होती है'*

$f[kykMh mRrjnkrkvka ds vfHker@fopkj 1/1 R; Rrj 1/$

ठेकड़ी	दर्शकों की संख्या अधिक होती है	1 a; k	प्रतिशत
1	$fu; fer ek e [kyka e$	90	30-00
2	विशेष प्रकार के खेलों e	210	70-00
	$dy ; kx$	300	100-00

11 अक्षरों तथा तालिका के आकड़ों के विश्लेषण। $I s L1 "V gkxk gS fd dy 300 f[kykMh$ उत्तरदाताओं में से 210(70 प्रतिशत) उत्तरदाताओं की मान्यता है कि विशेष प्रकार के खेलों में दर्शकों की भीड़ (संख्या) अधिक होती है, जबकि 90(30 प्रतिशत) उत्तरदाताओं के अनुसार नियमित मौसमी खेलों में दर्शकों की संख्या अधिक होती है। प्रतिशतता की दृष्टि से इस संदर्भ में निम्न निकाल $LFkfr fd; k tk l drk gS fu; fer ek e [kजों/क्रीड़ाओं की अपेक्षा; विशेष i dkj ds [kyka e$ उपस्थित होने वालों (दर्शकों) की संख्या अधिक होती है।'

$f[kykMh mRrjnkrkvka l s ; g i Ns tkus i j fd& ^D; k \emptyset hMk@ [ky dk mi HkkDrk(mi HkkDrk dh I kekfd&vkffkd fLFkfr i j fuHkj djrk gS"$ सभी 300 सूचनादाता खिलाड़ियों से प्राप्त प्रश्न के $i R; Rrjk i j fuEu rkfydk u (4) संक्षिप्त प्रकाश डालती है—$

$rkfydk u 1/41/ % ^D; k \emptyset hMk@ [ky dk mi HkkDrk(mi HkkDrk dh I kekfd&$

$vkffkd fLFkfr i j fuHkj djrk gS"$ प्रश्न का प्रत्युत्तर उत्तरदाताओं के अनुसार

ठेकड़ी	प्रश्न का प्रत्युत्तर	1 a; k	प्रतिशत
1	gk**	208	69-33
2	ugh*	27	09-00
3	$mnkl hu vfHker$	60	20-00
4	$vufrfjr$	05	01-67
	$dy ; kx$	300	100-00

ि लर्र रक्षाद्वय का १४% द्वारा विशेषण से स्पष्ट है कि यह 300 फूट की ऊंचाई में उत्तरदाता प्रतिशत) में उत्तरदाता अनुसृत रहे हैं। इन आनुभवों के प्रकाश में निम्न निष्कर्ष जिनका वर्णन किया गया है:

- १/१ अधिकतम की ऊंचाई में उत्तरदाता प्रतिशत) में उत्तरदाता अनुसृत रहे हैं। इन आनुभवों के प्रकाश में निम्न निष्कर्ष जिनका वर्णन किया गया है:
- १/२ मिहिक्स द्वारा विशेषण से स्पष्ट है कि यह उत्तरदाता प्रतिशत) में उत्तरदाता अनुसृत रहे हैं। इन आनुभवों के प्रकाश में निम्न निष्कर्ष जिनका वर्णन किया गया है:
- १/३ विशेषण से स्पष्ट है कि यह उत्तरदाता प्रतिशत) में उत्तरदाता अनुसृत रहे हैं। इन आनुभवों के प्रकाश में निम्न निष्कर्ष जिनका वर्णन किया गया है:

References

- Luizinga, John; 'Hom Lidem' (Home Leisure), Boston Press and Co. Boston, 1955, p.60-61.*
- Kailous A.E.; The Significance of Physical Activity as a Function of Age, Sex, Education & Socio-Economic Status of Northern United State's Adults; International Review of Sport Sociology, 1961, (1) 41.*
- Luizinga J. (et. al); A Look at sports, Cambridge University Press, London.*
- Long G.E.; A Study to Determine the Reactors that Influence the Behaviour of Sport Crowds; Ph.D. Dissertation, Department of Physical Education, The Ohio State University Press, London.*
- Macpherson B.E.; Socialization into the Role of Sport Consumer : A Theory & Model, International Review of Sport Sociology, 1992, (30) 172.*
- Lowe B. & Harrel R.D.; The Student as Sport consumer, Cambridge Univ. Press, London, 1992, p.40-41.*
- Maharashtra Pankaj; University Sport & Recreation; Magazine of the College of Physical Education, Devi Ahilya University, Indore (M.P.), 1997, p.67.*
- Nielsen A.E.; The Frustation Aggression, American Journal of Sociology, 1991 (45) : 63.*
-; *Ibid, 1971, p.30-31.*
- Kenyon G.S.; The Factors Affecting Sport Consumer, Magazine of National College of Physical Education, Published Paper, New Jersey, 1966, p.10.*
- Lay J.W.; The Nature of Sport : A Definitional Effort Quest; 10 May 1968, p-1.*
- Spinard W.; Ibid, 1997, Sept. p-1.*
- Spinard W.; 'Some Concepts' Regarding Sport, International Review of Sport Sociology, 1970, (5), 25-26.*
- Long G.E.; "Riotous Outbursts in Sport Events", Published Paper, Seventh World Congress, (I.S.A.), Bulgaria, 1970, p.20-21.*